O–6345

M. A. (Final)
Term End Examination, Jan.-Dec., 2020

संस्कृत साहित्य

Paper First

(काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 70*

[*Minimum Pass Marks : 14*

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक **01** से **08** तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **1** या **2** शब्दों/**1** वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक **09** से **14** तक अर्द्ध लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **75** शब्दों या आधा पेज में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक **15** से **18** तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों या एक पेज में दीजिये।

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक **19** से **22** तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **300** शब्दों या दो पेज में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक **23** एवं **24** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **600—750** शब्दों या 04—05 पेज में दीजिये।

खण्ड—अ

1. 'मेघदूत' किस विधा का काव्य है ?
2. 'मेघदूत' में कौन-सा छन्द है ?
3. अलकापुरी कहाँ स्थित है ?
4. प्रोषित पद का अर्थ क्या है ?
5. 'नैषधीयचरित' में किस रस का प्राधान्य है ?
6. बैरोचनिज का अर्थ क्या है ?
7. 'कुमारसम्भव' में कितने सर्ग हैं ?
8. कार्तिकेय किस श्रेणी के नायक हैं ?

खण्ड—ब

9. उज्जयिनी का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
10. "याच्ञा मोघा वरमधिगुणेनाधमे लब्धकामा" की व्याख्या कीजिए।

11. अलकापुरी का वर्णन कीजिए।
12. "अधीतिबोधाचरणप्रचारणैः" को स्पष्ट कीजिए।
13. राजा नल के मुख सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
14. 'कुमारसम्भव' की कथा के मूल स्रोत का वर्णन कीजिए।

खण्ड—स

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

15. सन्तप्तानां त्वमसि शरणं तत्पयोद प्रियायाः,
सन्देशं मे हरधनपति क्रोधं विश्लेषितस्य।
गत्तव्या ते वसतिरलका नाम यक्षेश्वराणां,
वाह्योद्यानस्थितहरशिरश्चन्द्रिका द्यौतहर्म्या॥

16. मन्दाकिन्याः सलिलशिशिरैः सेव्यमाना मरुद्भि—
र्मन्दाराणमनुत ररुहां छायया वाविरतोष्णाः।
अन्वेष्टव्यैः कनकसिकतामुष्टिनिक्षेपमूढैः
संक्रीडन्तेमणिभिरमर प्रार्थिता यत्र कन्याः॥

17. अथं दरिद्रो भवितेति वैधसीं, लिपिं ललाटेर्थिजनस्य जाग्रतीम्।
मृषा न चक्रेऽल्पितकल्पपादपः, प्रणीय दारिद्र्य-दरीद्रतां नृपः॥

18. कपोल कण्डूः करिभिर्विनेतुं विघट्टितानां सरलद्रुमाणाम्।
यत्रस्तुतक्षरितया प्रसूतः सानूनिगन्धः सुरभीकरोति॥

खण्ड—द

19. 'मेघे माघे गतं वयः' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।
20. यक्षिणी की विरहावस्था का वर्णन कीजिए।

21. नैषधीयचरितांनुसार चतुर्दश विधाओं का वर्णन कीजिए।
22. संक्षिप्त रूप से 'कुमारसम्भव' का महाकाव्यत्व सिद्ध कीजिए।

खण्ड—इ

23. महाकाव्य के लक्षण के परिप्रेक्ष्य में 'नैषधीयचरितम्' की समालोचना कीजिए।
24. कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

O–6346

M. A. (Final)

Term End Examination, Jan.-Dec., 2020

संस्कृत साहित्य

Paper Second

(साहित्यशास्त्र)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 70*

[*Minimum Pass Marks : 14*

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक **01** से **08** तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **1** या **2** शब्दों/**1** वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक **09** से **14** तक अर्द्ध लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **75** शब्दों या आधा पेज में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक **15** से **18** तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों या एक पेज में दीजिये।

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक **19** से **22** तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **300** शब्दों या दो पेज में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक **23** एवं **24** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **600—750** शब्दों या 04—05 पेज में दीजिये।

खण्ड—अ

1. मम्मट के अनुसार काव्य के कितने प्रयोजन हैं ?
2. किस काव्य में व्यङ्ग्य प्रधान होता है ?
3. शृंगार रस का स्थायी भाव क्या है ?
4. गुणीभूत व्यङ्ग्य काव्य के कितने भेद हैं ?
5. आनन्दवर्धन किस राजा के समकालीन थे ?
6. किस काव्य को ध्वनि काव्य कहा जाता है ?

7. नाट्य का प्रथम प्रयोग कहाँ हुआ ?
8. नान्दी कब होती है ?

खण्ड—ब

9. 'काव्यप्रकाश' के रचनाकार कौन हैं ?
10. मम्मट के मत में काव्य के मुख्य भेद कितने हैं ?
11. ध्वनि भेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
12. भक्तवादियों का मत लिखिए।
13. औचित्य के भेदों का नाम लिखिए।
14. रंगशीर्ष क्या है ?

खण्ड—स

15. 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' सूत्र को स्पष्ट कीजिए।
16. शृंगार हास्य करुण रौद्रवीर भयानकाः।
    बीभत्साद् भुतसंज्ञौ चेत्यष्टौ नाट्ये रसाः स्मृताः॥
    सूत्र को स्पष्ट विवेचना कीजिए।
17. प्रतीयमान अर्थ की विविशष्टता को स्पष्ट कीजिए।
18. देवों ने ब्रह्मा से किस वस्तु की प्रार्थना की ?

खण्ड—द

19. 'शंकुक के अनुमितिवाद' को स्पष्ट कीजिए।
20. नाट्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

21. आनन्दवर्धन का संक्षिप्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए।
22. रीति के उद्भव और विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—इ

23. अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद की समीक्षा कीजिए।
24. नाट्यशास्त्र की उत्पत्ति पर प्रकाश डालते हुए नाट्य के प्रयोजन को स्प्ष्ट कीजिए।

O–6347

M. A. (Final)

Term End Examination, Jan.-Dec., 2020

संस्कृत साहित्य

Paper Third

(नाटक तथा नाट्यशास्त्र)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 70*

[*Minimum Pass Marks : 14*

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक **01** से **08** तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **1** या **2** शब्दों/**1** वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक **09** से **14** तक अर्द्ध लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **75** शब्दों या आधा पेज में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक **15** से **18** तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों या एक पेज में दीजिये।

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक **19** से **22** तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **300** शब्दों या दो पेज में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक **23** एवं **24** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **600—750** शब्दों या 04—05 पेज में दीजिये।

खण्ड—अ

1. 'मुद्राराक्षस' नाटक में किस रस का प्राधान्य है ?
2. चन्दनदास कौन है ?
3. दुर्योधन की पत्नी का क्या नाम था ?
4. 'अश्वत्थामा हतः' किसकी उक्ति है ?
5. नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से 'मृच्छकटिकम्' क्या है ?
6. नायक में कितने सात्विक गुण होते हैं ?

7. षष्ठ महापातक क्या हैं ?
8. भावी वस्तु की सूचना किसके द्वारा दी जाती है ?

खण्ड—ब

9. मलयकेतु का परिचय दीजिए।
10. "अप्रज्ञानेन च कातरेण च गुण स्याद् भक्तिमुक्तेन कः" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
11. अर्जुन ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?
12. निम्नलिखित का अर्थ लिखिए—

    लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः।

    असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता॥

13. शर्विलक अपनी प्रेयसी मदनिका पर क्यों क्रुद्ध हुआ ?
14. आकाशभाषित की परिभाषा दीजिए।

खण्ड—स

15. 'मुद्राराक्षस' के अनुसार चाणक्य की योजना पर प्रकाश डालिए।
16. भट्टनारायण का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
17. "स्त्रियो हि नाम खल्वेता निसर्गादेव पण्डिता" का भाव स्पष्ट कीजिए।
18. सोदाहरण धीरललित नायक का लक्षण कीजिए।

खण्ड—द

19. 'मुद्राराक्षस' नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
20. 'वेणीसंहार' में किस रस का प्राधान्य है ? सिद्ध कीजिए।
21. मृच्छकटिकानुसार द्यूतक्रीडा का वर्णन कीजिए।
22. सोदाहरण कैशिकी वृत्ति का परिचय दीजिए।

खण्ड—इ

23. मृच्छकटिककालीन सामाजिक दशा का वर्णन कीजिए।
24. "वस्तुनेता रसस्तेषां भेदक" इस कथन की सम्यक् व्याख्या कीजिए।

O–6348

M. A. (Final)
Term End Examination, Jan.-Dec., 2020

संस्कृत साहित्य

Paper Fourth

(भारतीय समाज एवं पर्यावरण)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 70*

[*Minimum Pass Marks : 14*

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक **01** से **08** तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **1** या **2** शब्दों/**1** वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक **09** से **14** तक अर्द्ध लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **75** शब्दों या आधा पेज में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक **15** से **18** तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों या एक पेज में दीजिये।

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक **19** से **22** तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **300** शब्दों या दो पेज में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक **23** एवं **24** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **600—750** शब्दों या 04—05 पेज में दीजिये।

खण्ड—अ

1. ऋग्वेद में कितने देवों का उल्लेख है ?
2. यास्क के अनुसार धर्म का अर्थ क्या है ?
3. आदिपुराण किसे कहते हैं ?
4. अध्यात्म रामायण किस पुराण का अंश है ?
5. जिसके समीप बैठकर अध्ययन किया जाता है उसे क्या कहते हैं ?

6. 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्युः' किस ग्रन्थ से उद्धृत है ?

7. पृथ्वी दिवस कब मनाया जाता है ?

8. विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है ?

खण्ड—ब

9. यम और नियम में भेद स्पष्ट कीजिए।

10. पुराण का लक्षण लिखिए।

11. अग्निपुराण की क्या विशेषता मानी जाती है ?

12. शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?

13. पर्यावरण शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

14. तीन प्रकार के कर्मों के नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड—स

15. आश्रम जीवन को संक्षेप में समझाइए।

16. शिव से सम्बन्धित किन्हीं **तीन** पुराणों के नाम बताइए।

17. वैदिककाल में विदथ का क्या कार्य था ?

18. पर्यावरणीय समस्या के **चार** प्रमुख कारण लिखिए।

खण्ड—द

19. संस्कृत साहित्य में वर्णित श्रेष्ठ राजा के गुण बताइए।

20. संस्कृत साहित्य में वर्णित पर्यावरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

21. संस्कृत साहित्य में वर्णित सामाजिक आचार-विचार पर टिप्पणी लिखिए।

22. मानव जीवन में पर्यावरणीय परिस्थितियों की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—इ

23. 'वैदिक संस्कृति और सभ्यता' पर एक लघु निबन्ध लिखिए।

24. संस्कृत साहित्य में वर्णित कर प्रणाली को विधिवत् समझाइए।